No. 19.

PROPHECIES RESPECTING THE HEATHEN.

भविष्यद्वाणीयां
आन्य देशीयोंके कल्याण बिषयमें
धर्म्म पुस्तकसे लियी ऊई ॥

भविष्यद्वाणी कहना ईश्वरके आविर्भावसेऊआ करता था ॥ पहिले युगोंमे ईश्वर होन्हार विषयको अपने धार्म्मिक आचार्य्योंके घटमें प्रगट किया करता और आचार्य्य लोग सो बिषय जगतको सुनाते ॥ आन्य देशी कहते हैं सब देशके लोगोंको जो आबरहामके बंशके नही ॥ आबरहाम एक धर्म्मी पुरुष ईश्वरका मित्र और बडा भक्तिमान था ॥ उसके देशी और कुटुंबके लोग खोंटे थे इस्से ईश्वरने आबरहामको आज्ञा करी कि अपने देश और कुटुंबमेंसे निकलआ और परदेशको चलाजा सो वह चला गया और कनआन देशमें निवास किया वहां उसका बंश बढा और ईश्वरने अपने बचनानुसार उसके बंशको वह सारा देश अधिकारमें दिया और वे मुद्दततक वहां राज्य करते रहे ॥ इसही देशमें ईश्वरने अबतार धारण अंगीकार किया था जिस्से येह लोग ईश्वरके मनोनीत लोग ठहरे और पृथ्वीके बाकी लोग आन्य देशी कह लाए ॥ सो सिवाय यिऊदी लोगके याने आबरहामके बंशके लोगके जगतके सब लोग आन्य देशी है ॥ इन्हकी दशा प्रभुके आवनेसे पहिले बऊत बुरी थी वे ईश्वरके

[*Serampore, February, 1835.—1500 Copies.*]

विषयमें अज्ञान और अधम थे सब कुकर्म्मोंमें लीन और मुक्तसे परे उन्होंने ईश्वरको जानके ईश्वर जैसा उसका महात्म्य नही किया और न स्तुति करी यह अपने अपने गुमानोंमें फूलेहुए थे और उन्हका अज्ञान मन अंधेरा हो गया था वे अपने तैं बुद्धिमान समझके उन्मत्त हो गय और ईश्वरको महिमाको बदलके बिनाशी मनुष्यका रूप स्थापन किया और पक्षी पशु हुमादिकी पूजा करते रहे इस्से ईश्वरने भी उन्हको अपने अपने नापाक दिलकी मलीनतामें सौंप दिया जिस्से उन्हकी स्त्री पुरुष अपनेअपने स्वभाविक व्यवहार छोडके अनुचित कामनासे आपसमें जलते रहे वे लुचे दुष्ट लोभी बैरवाले खूनी छली ईश्वर निन्दक गर्व्वीक ठोड निर्दय ईश्वरसे परे और शयतानके बशमें थे परंतु इन्ह आन्य देशीयोंके धर्म्मी होनेके हकमें धर्म्मपुस्तकके बीच बहुतसी भविष्यद्वाणीयां हैं जिन्हमेंकी कोईकोई तो पूरी हुई है और कोई बाकी हं ॥ जो जो पूरी हुई हैं उन्हके बिचारनेसे मालूम होवेगा कि होन हारबिषय ईश्वरसे छिपा नही है और जो जो पूरी नही हुई हैं उन्हसे मालूम होवेगा कि आन्यदेशीयोंकी जो दशा अब है सो सदानहो रहेगी यह पलटी जायगी और भविष्यद्वाणीके अनुसार वे सबके सब धर्म्मपुस्तकके मार्गपर आवेंगे ॥ यह होवे औ प्रभु यिशुजी जलदी होवे ॥

जब आबरहामको ईश्वरने आशीर्व्वाद दिया तब वह यह बर प्राप्त हुआ कि तुझमें पृथ्वीकी सारी जातें बर प्राप्त होंगी जिसका अर्थ यिह कि प्रभु यिशुको जो उसके बंशमें अवतार धारणा था उसके ज्ञान और भक्तिसे और शरणागत होनेसे आन्यदेशी आशीर्व्वाद प्राप्त

होवेंगे॥ इस आचार्य्यवाणीको कही तीन हजार सात सो छप्पन वर्ष हुये हैं और प्रभुके अवतार धारणेके समयसे पूरी होती जाती है बहुतेरे लोग और जात और देशी उसके ज्ञान और भक्तिसे पापसे फिराए जाकर और पाप मोचन और शुद्ध हृदय और आराधनाका मन और मुक्तकी आशा पाकर और धर्म्म पुस्तकानुसार उसकी शरणमें आकर आशीर्व्वाद प्राप्त हुए हैं और बहुतेरे होते जाते हैं और निश्चय है कि बाकी सब होंगे क्योंकि ईश्वर वाक्यका यही अर्थ है और इस कार्य्यके सफल होनेवास्ते ईश्वरके दास चारो दिशामें मिहनत करते हैं और लोगोंका परमार्थी कल्याण करयाते हैं॥

याकूब धर्म्मी पुरुषने प्रभु यिशुके अवतार लेनेका भविष्यद्वाक्य कहके अन्य देशीयोंके विषयमें बताया कि अन्य देशीयोंके लोग समूह प्रभु यिशुके पास एकठे होंगे॥ इस बाक्यके अनुसार नाना देशके लोग और भिन्न भिन्न मत धारियोंने दुसरेकी आराधना छोड दिया है और प्रभु यिशुको जगत तारक मानके उसकी ओड फिरे हैं॥ सिवाय प्रभु यिशुके जिस किसीके दर्शन पूजाको लोग देश देशान्तर जाया करते हैं वे सबको छोडके प्रभु यिशुके प्रेम और मरण और गुणके निमित्त उससे चित्त लगावेंगे और उसकी तरफ रुजू होवेंगे इसमें कुछ संदेह नही क्योंकि ईश्वरने फरमाया है और कुछ हिस्से लोग रुजू हुए है प्रभु यिशुके जैसा कोइ अनूप नही उसके धर्म्मके सत्यके विषय ईश्वरने साक्षी दीई है प्रभु यिशुके अतुल्य प्रेमके जैसा किसीने प्रेम नही प्रकाशा हैं उस प्रभु बिना जगतके प्रायश्चित कारण कोई नही मरा और उस दयाल

बीचवाल बिना किसी औरसे ईश्वर प्रसन्न नही आदि और अन्त वही है सो ज्यों ज्यों उसका प्रेम और गुन वंत नाम संसारमें प्रचारा जायगा सब लोगोंका चित्त उसकी ओड आकर्शन किया जायगा और सब जात उसके भक्तिमानोंकी मण्डलीमें एकठी होवेंगी॥ यह दिन शीघ्र होवे प्रभु यिशुजी॥

दाउद राजेकी मारफत परमेश्वरने अपने प्यारे पुत्रसे कहा था मुझसे मांग और मैं तुझे आन्य देशी तेरे अधि कारमें दुंगा और पृथ्वीके सिवाने तेरे कबजमें तू उन्हे लोहेके दण्डसे तोडेगा तू उन्हे कुभारके बरतनकी न्याई चूर चूर कर डालेगा इस लियै अब तुम्ह सज्ञान होवो हे राजेगण सिक्षा लेवो हे पृथ्वीके हाकिमो डरते हुए ईश्वरकी सेवा करो और कांपते हुए आनन्द करो पुत्रको चूंबो ऐसा न हो वह क्रोध करे और तुम्ह मार्गसे नाश होा जाव जब उसका कोप जराभी जल उठे धन्य वे जो उसमें अपना भरोसा रखते हैं॥ प्रभु यिशु खीष्ट जगतके प्रायश्चित कारण आत्मा बलिदान हाके मरा और जग तका त्राण करणहारा है इस लिये वह सब जगतका अधिकारी है क्योंकि ईश्वरने उसके बलिदानसे संतुष्ट होकर अंगीकार किया कि उसके दुर्गति सहनेका बडा फल होगा और सब जगतकी मुक्तका कार्य्य उसके हाथ होगा इसे सर्व्वदेश और जाती उसके बशीभूत कियेगय है और वह उन्हके राज्य और तेजको जो चाहते करते हैं अपने नाम और धर्म्मके महातथ वास्ते॥ जबसे प्रभुने अवतार धरा तबसे आन्य देशीयोंका बहुधा भाग उसके अधिकार किये गय हैं और अब उन्हमें पुरातन मतोंका

देवतोंका गुरुओंका कुछभी अधिकार नही रहा प्रभुही कुलमें कुल है॥ इस देशके लोगभी प्रभु यिशु खीष्टको दिय गय हैं ताकि वह उन्हमें अपनी महिमा प्रकाश करे और सो प्रकाश होती है ज्यों ज्यों धर्म्मपुस्तकका ज्ञान फैलता है और लोग प्रभु यिशुको पहिचानते हैं और उसकी भक्ति करते हैं ॥

बाईसवें गीतमें दाउदराजेने प्रभु यिशुके दुःख भोगने का भविष्यद्वाक्य कहके यह खबर दीई कि जगत अंत तांई सब लोग स्मरण करके ईश्वरकी ओड फिरेंगे और सर्व्व जातीयोंके वंश उसके संमुख प्रणाम करेंगे क्योंकि राज्य ईश्वरहीका है और वह जातियोंके बीच प्रभुता रखता है॥ इस वाक्यानुसार जो जो लोग प्रभु यिशुको जानते नही वे ईश्वरको भूले हुए हैं और जब वे मंगल समाचारके संबाद पाके जताए जांगे तब वे अपने ईश्वरको स्मरण करेंगे और सब देवतों मूर्त्त गुरु भ्रमनीक मतोंको छोडके ईश्वर अद्वैत्य ज्योतिस्वरूपकी ओड फिरेंगे और उसके संमुख प्रणाम करेंगे और संसारकी कोईभी जात बाकी नहीं रहेगी कारण इसका यह कि सारी पृथ्वीका राज्य ईश्वरका है और वह अपनेप्यारे पुत्रके मंगल समाचारकी महिमा सर्व्व देशीयोंमें फैलावेगा क्योंकि ईश्वरने इस बातका सप्त किया है कि जथा मैं जीवंत हुं सबके घटमें यिशुके आगे टेके जांगे और सबकी जीभ उसे कबूलेगी ॥

ईश्वरने एक और गीतमें दाउदकी मारफत फरमाया है कि धीरज धरो और जानो कि मैं ईश्वर हुं मैं आन्य देशीयोंमें महात्म्यीय होवुंगा मैं पृथ्वीमें महात्म्यीय होवुंगा ॥

अब अन्य देशीयोंमें नाशवान मनुष्यकी और पशु मूर्त्ति दिकी पूजा होती हैं ईश्वर परमात्माको कोई पूजते नही कोई जानते नही कोई चाहते नही कोई डरते नही और ईश्वर निरंजनके नामका एक मंदिरभी इस सारे देशमें कहीं नही परंतु समय आया है कि ईश्वर परमात्मा अपनी महिमा मंगल समाचार चलाके इस देशमें फैलावे और सर्व जातियोंमें बरंग सारी पृथ्वीमें अपने नामका महात्म्या करावे और वह सो अपने करारके माफिक करावेगा और करताभी है॥

और और गीतोंमेंभी प्रभु यिशुके विषयमें भविष्यद्रुप से कहा है कि जबतक सूर्य्य और चांद रहें जुगजुग लोग उसे डरेंगे समुंदरसे समुंदरतक और नदीसे पृथ्वीके अंतलो वह राज्य करेगा बनबासी लोग उसके आगे प्रणाम करेंगे और उसके शत्रु धूल चाटेंगे तारशीशके और उपदीपोंके राजेभेट लावेंगे शेबा और सीबाके राजे दान चढावेंगे हां सर्व्व राजे उसके आगे दण्डवत प्रणाम करेंगे सर्व्व जाती उसकी सेवा करेंगे वह सजीव रहेगा और शेबाका सोना उसको दान होगा उसके लिये नित्य प्रार्थना कीई जायगी और दिन दिन उसकी स्तुति होवेगी उसका नाम सदा रहेगा जबलो सूर्य्य रहे उसका नाम रहेगा और लोग उसमें आशीर्व्वाद प्राप्तहोवेंगे सर्व्व देशी उसे धन्य धन्य कहेंगे॥ हे ईश्वर जागिये पृथ्वीका विचार कीजिये क्यौंकि तू सर्व्व देशीयोंका अधिकारीहोगा हे प्रभु सर्व्व जाती जिन्हका तू सृजनहार है तेरे सन्मुख आके तेरे प्रणाम करेंगे और तेरे नामकी महिमा प्रकाश करेंगे तू उठके सीओनपर दया करेगा क्यौंकि उसपर दया

करनेका समय आन पऊंचा है हां ठीक समय स्थित ऊआ है दूरसे आन्य देशी ईश्वरके नामको डरेंगे और पृथ्वीके सारे राजे तेरे बिभवको॥ इन्हका अभिप्राय यह कि सारी पृथ्वीमें और सर्व्व जातीयोंमें प्रभु यिशु खीष्ट सच्चिदानन्दकी भक्ति फैलेगी राजे उसके नामके भेट लावेंगे उसकेशत्रु धूल चाटेंगे उसके भक्तिमान लोग आशीर्व्वाद प्राप्त होवेंगे बाकी उसका नाम सर्व्वत्र फैलेगा और बिख्याति होगा और लोग उसे धन्य धन्य कहेंगे अबभी यह भविष्यद्वाक्य पूरा होता जाता है और जबलो सूर्य्य और चांद रहें पूरा होता रहेगा आमीन॥

यिशाइयाह आचार्य्यके ग्रंथमें प्रभु यिहुके राज्य वृद्धि के विषयमें येहयेह भविष्यद्वाणीयां पाईजाती है कि पिछले दिनोंमें ऐसा होगा कि ईश्वरके घरका पर्व्वत पहाडोंकी चोटीपर कायम किया जायगा और पहाडीयोंसे ऊंचा किया जायगा और सर्व्व देशी उसपास उडे चले आवेंगे और बऊतेरे लोग जाकर कहेंगे आव हम ईश्वरके पर्व्वत को जावें हां याकूबके ईश्वरके घरको और वह हमको अपने मार्गकी सिक्षा देगा और हम उसके पंथोंमें चलेंगे क्योंकि सीओनसे व्यवस्था निकलेगी और ईश्वरकी कथा यिरुशालेमसे॥ और वह दूरसे आन्य देशीयोंके लिय झंडा खडा करेगा और पृथ्वीके अन्तसे उन्हे पुकारेगा और देखो वे बेगे दौडे आवेंगे॥ जो लोग अंधेरेमें चल तेथे उन्होंने बडा उजियाला देखा हैं जो जो मरणके छांहरूपी देशमें बसते है उन्हके ऊपर ज्योतिका प्रकाश ऊआ है॥ और उस दिन यिसीकी जड रह जायगी जो लोगोंके लिये झंडा बनेगी आन्य देशी उसमें आश्र

करेंगे और उसका बिश्राम बिख्याति होगा और वह आन्य देशीयेंाके निमित्त झंडा खडा करेगा और यिश्रा इलके काढे ऊए लोगोंको एकठे करेगा और यिऊदाहके तितरबितर लोगेंाको पृथ्वीके चारें। खूंटसे एकत्र करेगा॥ इस पहाडमें सेनाका ईश्वर सर्व्वजातियोंके निमित्त उत्तम वस्तुका जेवनार तयार करेगा और सर्व्व जातियेंाके मुंहपर जो परदा पडा ऊत्रा है और सर्व्व जातियेंापर जो घूंघट दिई ऊई है उन्हे वह इस पहाडपर नाश करेगा॥ देखो मेरे दासको जिसे मैं संभालताऊं मेरे मनोनितको जिस्से मेरा जीव प्रसन्न है मैंने अपनी आत्मा उसपर दीई है वह आन्य देशीयेंाको यथार्थ सिखावेगा वह धूम नही मचावेगा न ऊंचा शब्द करेगा न सडकमें अपनी आवाज सुनावेगा कुचले ऊए सरकंडेको वह नही तोडेगा और धूंवेंवाले सणको वह नही बुझावेगा वह यथार्थको सत्यतक पऊंचावेगा वह ठहरेगा नही न निरास होगा जबलो वह पृथ्वीमें यथार्थको स्थित नही करेगा और उपद्वीप सारे उसकी व्यवस्थाकी बाट देखेंगे॥ ईश्वर यिऊह जिसने आकाशको रचा और फैलाया जिसने पृथ्वीको और उसपरके सब कुछको स्थिर किया जो उसपरके लोगोंको स्वास देता है और जो जो उसपर चलते हैं उन्हे जीव देता है वह कहता है मैं यिऊहने तुझे यथार्थरूपसे बुलाया है और तेरे हाथ थामुंगा और तुझे रक्षा करुंगा और लोगोंकी व्यवस्थावास्ते आन्य देशीयेंाकी ज्योति वास्ते तुझे दूंगा कि तू अंधोंकी आंखें खोल दे बंदुयेंाको छुडवा दे और अंधेरेमें बैठनेवालेको कैद खानेसेनिकाल लावे॥ मैं यिऊह ऊं वही मेरा नाम और मैं अपने महिमा

किसी श्रौरको नही दूंगा न अपनी स्तुति गढी ऊई प्रति मायोंको॥ देखो पूर्व्वकालीन भविष्यद्वाक्य पूरे ऊए हैं श्रौर नई बातें मैं प्रगट करता ऊ कार्य्य सिद्व होनेसे पहिले मैं तुझे जताता ऊं॥ याकूबको अवने पास फेर लाने को जिसईश्वरने मुझे गर्भसे अपना दास ठहरा यावह्अब कहता है जद्यपि यिशराईल एकत्र न होवे तौभी मैं ईश्व रकी दृष्टिमें महात्मी होवुंगा श्रौर मेरा ईश्वरमेरा सामर्थ होवेगा श्रौर उसने कहा यह तो हलुकी बात है कि तू याकूबके वंशको उठानेको श्रौर यिशराईलके रचा किए ऊश्रोंको फेर लानेको मेरा दास होवे मैं तुझे श्रान्य देशी योंके लिये एक ज्योति होनेकोभी दूंगा कि तू पृथ्वीकेश्रंतलो मेरी मुक्ति होवे॥ ईश्वर प्रभुयों कहता है देखो मैं ऋन्यदेशी योंकी श्रोड अपना हाथ उठावुंगा श्रौर लोगोंके निमित्त अपना झंडा खडा करंगा देख तू एक लोगको जिसे तू नही जानता है बुलावेगा श्रौर तुझसे अज्ञात लोग तेरे ईश्वर यिऊहके निमित्त श्रौर यिशराईलके धर्म्मी पुरुषके कारण तेरे पास दौड चले श्रावेंगे क्योंकि उसने तेरी महिमा कीई है॥ प्रभुने अपनी मण्डलीको कहा है उठ चमक क्योंकि तेरा ज्योति श्राई है श्रौर ईश्वरके तेजका तुझपर उदय ऊश्रा है क्योंकि देखो श्रंधेरा पृथ्वीको छा लेगा श्रौर घोर श्रंधेरा लोगोंको परंतु यिऊह तुझपर उदय होवेगा श्रौर उसका तेज तुझपर देखा जायगा श्रौर श्रान्य देशी तेरी ज्योतिके पास श्रावेंगे श्रौर राजे तेरे उदयकी चमकपास इसलिये कि जो जाति श्रौर राज्य तेरी सेवा नही करेगा नाश होवेगा हां उन्ह देशीयोंका निपट सत्यनाश होवेंगे॥ श्रान्य देशी तेरा धर्म्म देखेंगे

आर सर्व्व राजे तेरा तेज और तू नय नामसे बुलाया जायगा जो यिऊह अपने मुहसे धरेगा॥ यिर्मियाह आचार्य्यने ईश्वरके आविर्भावसे कहा है हे यिऊह मेरा सामर्थ और मेरा गढ़ और बिपतके दिनमें मेरा आश्रय आन्य देशी पृथ्वीके अन्तसे तेरे पास आवेंगे और कहेंगे निश्चय हमारे पितलोगोंने अन्याय और अनर्थ और निष्फल बातोंको धारण किया॥ इजेकिएल आचार्य्यकी मारफत ईश्वर कहता है मेरा जो बडा नाम आन्य देशीयोंके बीचमें अशुद्ध किया गया जिसे तुम्हने उन्हके बीचमें अशुद्ध किया मैं उसे पवित्रकरूंगा और आन्य देशी जानेंगे मैं यिऊह हूं जद मैं तुम्हमें पवित्ररूपसे माना जावुंगा ईश्वर यिऊह यों कहता है मैं अपना पवित्र नाम अपने यिशराइल लोगोंके बीचमें प्रकाश करुंगा और मैं अपना पवित्र नाम अशुद्ध होने और नहीं दूंगा और आन्य देशी जानेंगे कि मैं यिऊह यिशराइलका धर्म्मस्वरूप हूं॥ दानिएल आचार्य्यने प्रभु यिशुके विषयमें भविष्यद्रूपसे कहा है मैंने देखा कि उसे हुकूमत और तेज और राज्य दिया गया कि सब लोग और जाति और भाषी उसकी सेवा करें उसकी अमलदारी सदाकालकी अमलदारी है जो जाती नहीं रहेगी और उसका राज्य जो अटल रहेगा॥ हबाकुक आचार्य्यने कहा है कि पृथ्वी ईश्वरकी महिमाके ज्ञानसे ऐसीपूर्ण होवेंगे जैसे समुंद्र जलसे ढपा है॥ जेफानियाह आचार्य्यने यह भविष्यद्वाक्य कहा है कि यिऊह आन्य देशीयेंके विषयमें भयंकर होगा क्योंकि वह पृथ्वीके सब देवतोंको भूखा मारेगा और लोग उसे प्रणाम करेंगे हरेक अपने अपन स्थानसे हां आन्य

जातियोंके सारे टाण ॥ खर्गई आचार्य्यकी मारफत ईश्वरने कहा था कि मैं सर्व्व जातियोंको हिलावुंगा और सब्व देशीयोंका इष्ट आजायगा ॥ और मैं राजोंका सिंहासन पलट दूंगा और मैं आन्य देशीयोंके राज्योंका बल नाश करुंगा ॥ जेखरियाह आचार्य्यकी मारफत ईश्वरने कहा है उसदिन बहुतेरे जाति यिहूहसे मिलेंगे और मेरे लोग होवेंगे॥ हां बहुतेरे लोग और बलवन्त जाति यिरुशालममें सेनाके यिहूहको ढुंढनेको और यिहूहके आगे प्रार्थना करनेको आवेंगे ॥ सेनाका यिहूह यों कहता है उन्ह दिनमे सब जातियोंमेकी भाषासे दश जन एक जन यिहूदीके आंचल पकडेंगे और कहेंगे हम तुम्हारे साथ जांगे क्योंकी हमने सुनाहै ईश्वर तुम्हारे साथ है ॥ मलआकि आचार्य्यकी मारफत ईश्वरने यों कहा है कि सूर्य्यक उदयसे अस्तलो मेरा नाम आन्य देशीयोंके बीचमें बडा होवेगा सेनाका यिहूह यों कहताहै मैं महा राजा हुं और अन्य देशीयोंके बीच मेरा नाम भयंकर है ॥

येह येह भबिष्यद्वाक्य प्रभुके अवतार धारणेसे पहिल कहे गये थे और उसके अवतीर्णहोनेके समयसे अबलो पूरे होते जाते हैं ॥ प्रभु यिशुनेभी आप अपनी दैवी आत्मा और श्री मुखसे जो भबिष्यद्वाक्य आन्य देशीयोंके कल्याणके विषयमें कहा था और जो उसके शिष्योंने ईश्वरके आविर्भावसे कहा था उन्हका अब मैं बर्नन करुंगा ॥ आन्य देशीयोंमेसे एक जनकी भक्ति देखके प्रभुने उन्हके समुह लोगोंके मण्डलीमें आनेके विषयमें कहा कि बहुतेरे पूर्व्व और पश्चिमसे आवेंगे और आबरहाम और यिखाक

और याकूबके साथ ईश्वरके राज्यमें बैठेंगे॥ अन्य देशी प्रभु यिशुके नाममें बिश्वास करेंगे॥ प्रभुने आप कहा है कि राज्यका यह मंगल समाचार सर्व्व जातियोंके निमित्त साक्षी होनेको सारे जगतमें प्रचारा जायगा और आगे प्रभुने अंगीकार किया कि मैं जो मैं जगत प्रायश्चितवास्ते आत्मा बलिदान होवुं तो सब लोगोंको अपनी ओड खैंचुंगा॥ बहुतेरे प्रभुके प्रेम असरसे और गुणोंके प्रतापसे खैंचे गय है सब जातियोंमेसे और बहुतेरे खैंचे जाते हैं और जागेभी॥ तब अन्त होवेगा॥ प्रभु यिशु यद जन्मा था ईश्वर दूतने उसके विषयमें लोगोसे कहा देखो मैं बडे आनन्द देनहारा मंगल समाचार तुम्हारे पास लाता हुं जो सर्व्व जातियोंके वास्ते होवेगा क्योंकि आज दाउदके नगरमें तुम्हारे लिये एक त्राता अर्थात बचानेवाला जन्मा है जो प्रभु खोष्ट है॥ प्रभुने आन्य देशीयोंको पापोंमें मूए हुए समझके उन्हके चैतन्य होनेका यह भविष्यद्वाक्य कहा है सत्य सत्य मैं तुम्हें कहुं वह समय आता है और अब है जब मुर्दे ईश्वरके पुत्रका शब्द सुनेंगे और जो जो सुनेंगे जीवगे॥ प्रभु यिशुने अपने लोगोको भेडरूप गिणके और आपेको उन्हका रखवाला ठहराके उन्हका एकही मण्डलीमें भरती होनेके विषयमें कहा है कि मैं अच्छा रखवाला हुं अच्छा रखवाला भेडोंकेलिये अपना प्राण देता है और मैं भेडोंके लिये अपना प्राण देताहुं मेरे औरभी भेड हैं जो इस घेरेके नही हैं उन्हेभ मुझे लाना है और वे मेरे शब्द सुनेंगे और घेरा एक होगा और रखवाला एक॥ प्रभुका प्रेरित पाउल आन्य देशीयोंके मुक्तप्राप्त होनेके विषयमें कहता है कि

परमेश्वरने दयाके पात्रोंपर जिन्हे उसने पहिलेसे मोक्ष वास्ते तयार किया अपनी महिमारूपी धन प्रकाश किया है जैसा वह ओसीके पुस्तकमें कहता है मैं उन्हे जो मेरे लोग नही थे अपने लोग करके बुलावुंगा और उसे प्यारी करूंगा जो प्यारी न थी और जहां उन्हसे कहा गया था तुम्ह मेरे लोग नही यों होगा वहां वे जीवंत ईश्वरके संतान कहलावेंगे॥ आगे यहभी कहा गया है कि अगले लिखे अनुसार आन्य देशीयोंको ईश्वरकी दयाका महात्म्य करना है जिस्से ईश्वर वाक्यमें कहा है हे आन्य देशी तुम्ह ईश्वरके लोगोंके साथ आनन्द करो हे सर्व्व जाति तुम्ह प्रभुकी स्तुति करो और हे सारे लोगों तुम्ह उसका गुणानुबाद गाव॥ पाउल प्रेरित कहता है कि प्रभु यिशुने ईश्वरका यथात्म्य होके ईश्वरका तुल्य होना चोरी न जाना परंतु आपेको रुसवा किया और दासरूपी होके मनुष्यदेह धारण किया और मनुष्यरूप होके और आपेको नीचा करके मरणके अधीन अर्थात क्रूशके मरणके अधीन ऊआ इस लिये ईश्वरनेभी प्रभु यिहुको बऊत ऊंचा पद दिया है और उसे औसा नाम दिया है जो सब नामोंकेपर है कि यिशु नामके आगे स्वर्गमेके और पृथ्वीके नीचेके सबके घुटनेटेके जावें और ईश्वर पिताकी महिमा निमित्त हरेककी जिह्वा यिशु खीष्टको प्रभु करके कबूले॥ प्रकाशीतके पुस्तकमें कहा है कि पृथ्वीबासीयोंके पास और सर्व्व जातियोंके पास और सब बंशोंके और भाषीयोंके और लोगोंके पास प्रचारनेको अनंत मंगल समाचार रखता ऊआ और ईश्वरसे डरो औरउसको महिमा प्रकाश करो क्योंकि उसके विचारका समय आया है और जिसने

आकाश और पृथ्वी और समुद्र और जलके सोतोंको रचा उसको प्रणाम करो ऊंचे शब्दसे यह कहता हुआ मैंने आकाशके बीचमें होके उड़ता हुआ एक दूतको देखा॥ इस दूतके ईश्वरवाक्य प्रचारनेसे ऐसा हुआ कि स्वर्गलोकमें सब आनन्दित होके गाने लगे इस संसारके राज्य सकल हमारे प्रभुके हुए हैं और वह सदाही सदा राज्य करेगा॥

यह ईश्वरके वाक्य हैं लोग और अटल है औरइन्हका भविष्यद्विषय अपने समयमें अवश्य पूरा होवेगा॥ अन्य देशीयोंको अपने पुत्रकी भक्तिके अधीन करना ईश्वरको भावे है और उसने इसलिये अपने दासोंको अन्य अन्य देशोंमें अन्य अन्य जातियोंके पास भेजा है कि उसके मुक्तरूपी वाक्यको प्रचारके उन्हके मनकी आंखें खोल दें उन्हको अंधेरेमेंसे उजियालेमें लावें और शैतानके बशसे उन्हको ईश्वरके अधीन करदे जिसे अन्य देशीलोग प्रभु यिशुकी भक्ति करके पापमोचन पावें और ईश्वरके पवित्र लोगांमें उन्हको अधिकार मिले॥

हे लोग अन्य अन्य देशके और अन्य अन्य जातिके तुम्ह श्रवण करो यह कथा तुम्हको कही जाती है और ईश्वरका धर्मस्वरूप जो प्रभु यिशु है जो भविष्यद्वाक्यनुसार देह धारके जगत प्रायश्चित्त कारण आत्मा बलिदान होके मरा और जीउठा और स्वर्गको गमन करके अपने अक्षय सिंहासनपर बैठा हुआ सारी पृथ्वीमें अपना नाम और राज्य और महात्म्य फैलाता है और जगतांतलो फैलता रहेगा उसका प्रेमरूपी नाम और मुक्तदायकवाक्य तुम्हको सुनाया जाता है जीव लगाके सुनो इसके धारणसे

तुम्ह सब पापसे निवृत्ति होके ईश्वरके आगे सुखरूह होगे परंतु इसके तिरस्कार किएसे तुम्हको दण्डहोगा और तुम्ह ईश्वरके सन्मुख कधी आनंदरूपसे नही पहुचोगे॥ अब तुम्हको जिंदिगी है विचार करनेका समय है मरणका लमें मुक्तकी बिधि नही लगेगी अब अपनी अपनी बेपर वाईसे जाग जाग जाव और ईश्वरवाक्यका उपदेश और भविष्यद्वक्ताओंकी साक्षी मानके प्रभु यिशु जगतत्राकी भक्ति करो और उसके नामकी प्रार्थना करो तुम्हारी मुक्ति होगी॥ आमिन॥

धन्य हो तुम्ह प्रभु और धन्य वे जो तुम्हारी भक्ति करें॥ सारी पृथ्वी तेरी महिमाके तेजसे पूर्ण हो जावे॥ आमिन आमिन॥ आइये प्रभु यिशु जी महाराज मुक्त दाता शीघ्र आइये॥ प्रभुके दास तामसेनका कृत॥

बहुतसे लोग आ जाते हैं। देख पूरब पश्चिम दीशासे। वे आश्रय लिया चाहते हैं। खुदावन्दईसा

२ मसीहमें॥ अब पूरी हुई है वह बात। जो खुदाव न्दने कहा था। कि आएगी मुझपास सारी जात।

३ मैं हुंगा सबका पनाह् गाह्॥ ऐ खुदावन्द येह आते जाय। और खुशी खुशी शरण लें। चार खूंटमें

१ तेरा जश फैल जाय। सब कौम आजाय मंडलीमें॥ ऐ दयाल तारक यिशु खीष्ट। इस् लिये जन्मा तू। कि पापीयों पर करके दृष्ट। निहाल दे उन्हको तू॥

२ हां दयाल प्रभु हम सबको। निस्तारिये पापोंसे। मेट दीजिये हमारे पातकको। शुद्ध कीजिये हृद

३ यसे ॥ तू है बचवैया प्रभु खीष्ट। बचाइये हम
सबको। हम पापसे फिरके होय धर्मिष्ट। यह
४ दया हो हमको ॥ तौ जीवते मरते आशा रहे।
खीष्ट हमारे तारक है। और पापसे मौतसे नर
कसे हम मुक्ति जरूर पांय ॥